Course – BA Education Hons, Part II
Paper – III (Educational Psychology & Pedagogy)
Topic – Motivation
Prepared by – Dr. Sangeeta Kumari

इकाई 16 : अभिप्रेरणा
unit 16 : Motivation

16.1 प्रेरणा का अर्थ (Meaning of Motivation) :-

प्रेरणा का तात्पर्य उस अवस्था से है जो व्यक्ति को किसी क्रिया की ओर प्रेरित करे। व्यक्ति के कार्य के तीन पहलू हैं – (i) वह क्या करता है? (ii) वह कैसे करता है? तथा (iii) वह क्यों करता है? इसे और भी स्पष्ट करने के लिए कहें कि बालक क्या पढ़ता है, कैसे पढ़ता है तथा क्यों पढ़ता है? प्रेरणा का सम्बन्ध, क्रिया के तीसरे पहलू अर्थात 'क्यों' से है। सम्भव है कोई बालक नौकरी करके पैसा कमाने की इच्छा से पढ़ता हो तथा कोई विद्वान बनने या सामाजिक प्रतिष्ठा हासिल करने की इच्छा से पढ़ता हो। तो पैसा कमाने, विद्वान बनने अथवा प्रतिष्ठा प्राप्त करने की इच्छा को प्रेरणा कहेंगे। इसी तरह भूख के कारण व्यक्ति भोजन की खोज करता है और प्यास के कारण पानी की तलाश करता है। अतः भूख तथा प्यास को प्रेरक कहेंगे।

मैकडूगल (Mc Dougall) के अनुसार,
"प्रेरणा प्राणी की वह दैहिक तथा मानसिक अवस्था है जो उसे विशेष रूप से क्रिया करने के लिए तत्पर करती है।"

जॉनसन (Johnson) के अनुसार,
"क्रिया के सामान्य आकार के प्रभाव को जो प्राणी के व्यवहार को उत्पन्न एवं निर्देशित करता है, प्रेरणा की संज्ञा दी जाती है।"

ऑर्मरोड (Ormrod, 1995) के अनुसार,
"प्रेरणा का तात्पर्य उस स्थिति से है जो व्यक्ति के व्यवहार को बल प्रदान करती है, मार्ग दिखाती है तथा जारी रखती है।"

Scanned with CamScanner

16.2 अभिप्रेरणा के स्रोत (Sources of motivation)

अभिप्रेरणा के निम्न स्रोत हैं:-

(i) आवश्यकता (Need):-

मनुष्य, प्राणी में दो तरह की आवश्यकताएँ पाई जाती हैं। जैविक आवश्यकता तथा सामाजिक आवश्यकता। भूख, प्यास, काम आदि जैविक आवश्यकताएँ हैं। प्रतिष्ठा, सुरक्षा, प्रभुता आदि सामाजिक आवश्यकताएँ हैं। किसी इच्छित वस्तु के अभाव को ही आवश्यकता कहते हैं।

(ii) प्रणोदन (Drive):-

आवश्यकता से प्रणोदन जन्म लेता है। प्रणोदन प्राणी की वह तनावपूर्ण अवस्था है जो भोजन किसी आवश्यकता से उत्पन्न होती है। जैसे - शरीर के अभाव से भूख उत्पन्न होती है जिसके फलस्वरूप प्राणी शारीरिक तथा मानसिक तनाव का अनुभव करने लगता है। प्रणोदन के कारण व्यक्ति किसी क्रिया विशेष की ओर अग्रसर होता है। जैसे:- भूखा व्यक्ति भोजन के लिए तथा प्यासा व्यक्ति पानी के लिए एक खास दिशा में उस समय तक क्रियाशील रहता है जब तक कि उसे भोजन तथा पानी प्राप्त नहीं हो जाता।

(iii) उद्दीपन (Incentive):-

बाह्य वातावरण की जिन वस्तुओं द्वारा प्रणोदन की संतुष्टि होती है, उसे उद्दीपन कहते हैं। भोजन, पानी तथा विपरीत लिंग क्रमशः भूख, प्यास तथा काम के लिए उद्दीपन हैं। उद्दीपन की प्राप्ति के साथ ही एक ओर प्राणी को संतुष्टि मिलती है और दूसरी ओर उसकी क्रियाशीलता उस दिशा में कम हो जाती है या खत्म हो जाती है।

Scanned with CamScanner

15.3 प्रेरक के प्रकार (Kinds of Motive) :-

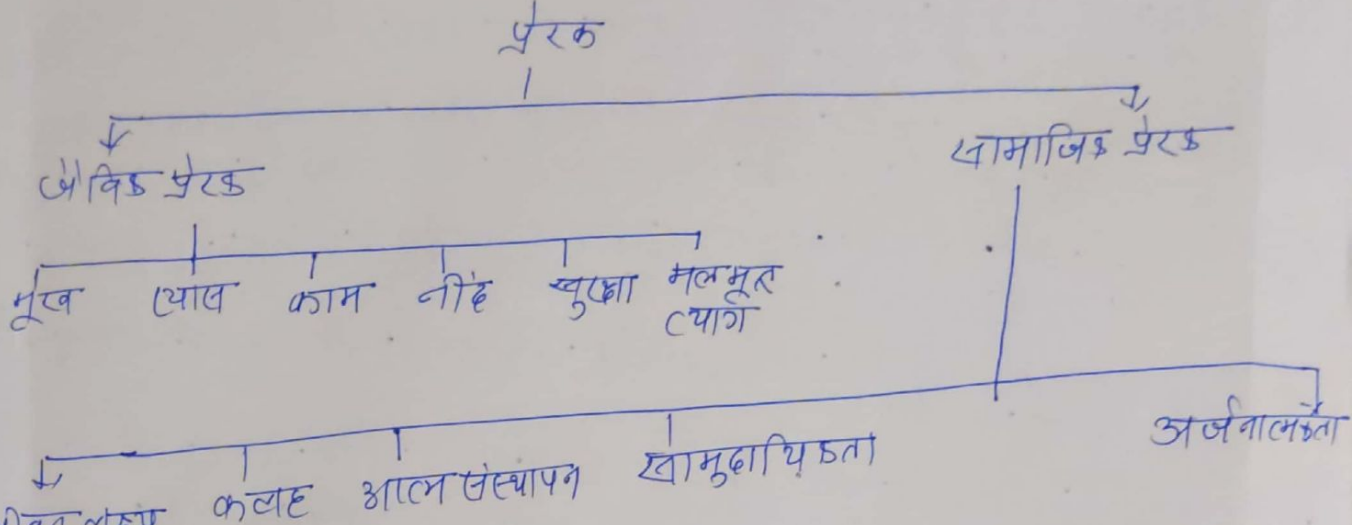

15.4 बालकों को शिक्षा हेतु वर्ग में प्रेरित करने की प्रविधियाँ तथा उपाय (Techniques or Measures for motivating children in classroom)

(1) सीखने की आवश्यकता शिक्षण का मूल स्रोत है। अतः बालकों को अपने पाठ्य-विषय की ओर प्रेरित करने के लिए जरूरी है कि उसमें उस पाठ्य पुस्तक के अध्ययन की आवश्यकता उत्पन्न हो। वे महसूस कर सकें कि उस विषय का अध्ययन उनके लिए बहुत जरूरी है।

(2) शिक्षार्थी को विश्वास दिलाया जाए कि शैक्षिक प्रगति के लिए प्रगति की इच्छा आवश्यक है।

(3) शिक्षार्थी की शैक्षिक प्रगति के मापन के लिए उचित विधियों का इस्तेमाल किया जाए।

(4) शिक्षार्थी की सफलता को आगे भी जारी रखना चाहिए ताकि वह महसूस करे कि उसे प्रगति करना है।

(5) शिक्षार्थी को बता दिया जाए कि दूसरे छात्रों की प्रगति उसकी प्रगति से कहीं अधिक है।

(6) शिक्षार्थियों के अभिलाषा स्तर तथा उपलब्धि स्तर में अधिक दूरी नहीं होनी चाहिए।

(7) पाठ्य विषय का उद्देश्य स्पष्ट एवं निश्चित होना चाहिए ताकि शिक्षार्थी उस ओर प्रेरित तथा आकर्षित हो सके।

Scanned with CamScanner

(8) सफल शिक्षण के लिए शिक्षार्थी को पुरस्कार दिया जाना चाहिए ताकि वह अपने पाठ्य विषय में और रुचि ले सके।

(9) असफल शिक्षण के लिए शिक्षार्थी को दण्ड दिया जाना चाहिए ताकि वह अपने में सुधार ला सके।

(10) शिक्षार्थी अपने पाठ्य विषय के प्रति प्रेरित हो सके तथा ज्यादा से ज्यादा अभिरुचि ले सके, इसके लिए स्पर्धा का इस्तेमाल भी आवश्यक है।

(11) शिक्षार्थी को पढ़ने की प्रेरणा उत्पन्न करने के लिए विद्यालय में श्रव्य दृश्य सामग्री का पूर्ण प्रयोग हो।

(12) शिक्षक को चाहिए कि विविध उदाहरणों से विषय वस्तु को समझाना चाहिए।

(13) वर्ग में शिक्षकों को किसी विषय को इस ढंग से पढ़ाना चाहिए और ऐसी क्रियाओं पर बल देना चाहिए जो वर्ग में पढ़ाए गए विषय का स्थानान्तरण सहज रूप से व्यावहारिक जीवन में हो सके।

(14) बालक के पाठ्यक्रम को निर्धारित करते समय बालकों की वैयक्तिक भिन्नता को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

15.5 अभ्यास के प्रश्न (Question for Exercise)

Q1 Define motivation. Describe the source of motivation. अभिप्रेरणा को परिभाषित कीजिए। अभिप्रेरणा के स्रोत का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner